पाश की कविता

देशभक्त

(प्यारे चंदन को समर्पित)

एक अफ्रीकी सिर
चेग्वेरा को नमस्कार करता है
आरती कहीं भी उतारी जा सकती है...
अंतरिक्ष में ...पृथ्वी पर
क्यूबा में ...बंगाल में
समय स्वतंत्र रूप में कोई चीज़ नहीं
समय को अर्थ देने के लिए
पल जिए जाते हैं, वर्ष बिताए जाते हैं...
भिवंडी और श्रीकाकुलम् में फ़र्क समझा जाता है
मैं सूर्य से मुकरा, घास से मुकरा
कुर्सी से, मेज से
और इसलिये मैंने लॉन की धूप में बैठकर
चाय नहीं पी
बंद कमरे की दीवारों पर फ़ायर किए हैं
– – – – – – –
यह भारत है
जो छोटे-से ग्लोब पर एशिया की पूंछ बनकर
लटका है
जिसकी शक्ल पतंगे जैसी है
और जो पतंगे की तरह
जल जाने के लिये व्याकुल है
और यह पंजाब है-
जहां न कोमल दूब बिछी है
न फूलों-भरे वृक्ष
चैत आता है, लेकिन उसका रंग शोख नहीं आता...
उदास शामों के साथ टकराकर
जिंदगी का सच कई बार गुजरा है
लेकिन हर बार सहनशीलता का मुखौटा पहनने से
पहले
मैं ही दिशा के क्षितिज के साथ टकरा गया हूं
चांद जब गोवा के रंगीन तटों पर
या कश्मीर की जीवत वादी में
चारों ओर सुस्ताया पड़ा होता है
तब वे पल होते हैं
जब मैं ऊंचे हिमालयवाली
अपनी पितृभूमि पर बहुत मान करता हूं
जिसने हम पहाड़ी पत्थरों-जैसे
अनगिनत लोग़ों को पैदा किया
और पत्थरों की तरह ही जीने के लिये छोड़ दिया
और तब मुझे वह ढिठाई
जिसका नाम जिंदगी है
रूठी हुई प्रेमिका की तरह प्यारी लगती है
और मुझे लाज आती है
कि मैं घोंघे की तरह बंद हूं
जबकि मुझे अमीबा की तरह फ़ैलाना चाहिए।

पांच बार की विश्वचैंपियन मैरी कॉम ने अपने बच्चों के नाम लिखा खत

पांच बार की विश्वचैंपियन मैरी कॉम का अपने बच्चों के नाम लिखा खत जिसमें उन्होंने अपने ऊपर हुए लैंगिक शोषण का जिक्र किया है ताकि उनके बच्चे एक बेहतर इंसान बन सकें! उनकी हिम्मत को सलाम!

मेरे बच्चों तुम अभी छोटे हो, 9 साल के हो, बल्कि सबसे छोटे तुम 3 साल के ही हो, पर इस उम्र में ही तुम्हें एक महिला के साथ कैसा व्यवहार करें, इसे समझना होगा इसके प्रति संवेदनशील होना होगा। मैं शुरुआत करती हूं अपनी अपनी आपबीती से। आपकी मां भी छेड़छाड़ का शिकार हुई है। पहले मणिपुर में फिर मेरे दोस्तों के साथ दिल्ली में और इसके बाद हरियाणा के हिसार में।

मैं जानती हूं यह काफी चौंकाने वाली बात है। एक महिला जिसने मुक्केबाजी में अपना करियर बनाया, जो जीवनभर लड़ती रही। उसके लिए भी वो दिन खौफनाक था. सुबह के 8.30 बजे थे। मैं मणिपुर में रिक्शे से अपने ट्रेनिंग कैंप जा रही थी। तभी अचानक एक अजनबी मुझ पर टूटा उसने मेरी छाती पर हाथ लगाया. मुझे गुस्सा आया, बहुत गुस्सा. मैंने रिक्शो छोड़ दिया और उसका पीछा किया, हाथ में चप्पल लेकर मगर वो भाग गया। मुझे अफसोस है कि मैं उसे पकड़ नहीं पाई। वरना मैं उसे कराटे दिखाती, जिसकी ट्रेनिंग मैंने पहले ले रखी थी।

तब मैं 17 की थी, अब 33 साल की हूं। मैंने देश के लिये उपलब्धियां हासिल कीं। लोग एक मैडल विजेता के तौर पर मेरी तारीफ करते हैं। लेकिन, मैं चाहती हूं कि मेरा सम्मान एक औरत के तौर भी मेरा उतना ही सम्मान होना चाहिए। कुछ लोगों के लिए हम नाटी हैं, हमारी नाकें चपटी हैं, जिसके वहज से हमें वो चिंकी कहकर बुलाते हैं। कुछ के लिए हमारा शरीर ही सब कुछ है।

लेकिन मेरे प्यारे बेटों, याद रखना, हम भी तुम्हारी ही तरह हैं, हमारे पास भी दो आंखें और एक नाक हैं, बिल्कुल तुम्हारी तरह। मर्दों की तरह हम भी सोचने के लिए दिमाग का सहारा लेते हैं। भावनाओं का अहसास करने के लिए दिल का सहारा लेते हैं। हां, बस हमारे शरीर के कुछ हिस्से तुमसे अलग हैं। बस इतना ही फर्क है हमारे-तुम्हारे बीच. हमारी ये नियति नहीं है कि कोई हमारे सीने या नितम्ब पर हाथ लगाए । जैसे कि दिल्ली और हरियाणा के हिसार में ट्रेनिंग कैंप के बाहर घूमते वक्त मेरे और मेरी दोस्त के साथ किया गया।

महिलाएं क्या पहने, कब घर से बाहर निकले इससे तुम्हें फर्क नहीं पड़ना चाहिए। यह दुनिया उतनी ही महिलाओं की भी है, जितनी मर्दों की। मुझे अभी तक समझ नहीं आया कि किसी मर्द को एक महिला को उसकी मर्जी के खिलाफ छूने से क्या महसूस होता है। मैं चाहती हूँ कि जैसे-जैसे तुम बड़े हो रहे हो, तुम्हे पता चलना चाहिए कि यौन हिंसा और बलात्कार ऐसे अपराध हैं जिनके खिलाफ कड़ी सजा मिलनी चाहिए.

अपनी जिंदगी में जब भी कभी तुम किसी महिला के साथ छेड़खानी होते देखना तो उसकी मदद के लिए आगे बढ़ना। तुम एक ऐसे घर में बड़े हो रहे हो, जहाँ सम्मान और समानता को महत्व दिया जाता है। तुम अपने दोस्तों के पिता के तरह अपने पापा को 9 से 5 की नौकरी करने के लिए बाहर जाते नहीं देखते हो, क्योंकि देश की सांसद और अपनी ट्रेनिंग के लिए मैं लगातार घर से बाहर रहती हूं। मेरे मन में तुम्हारे पिता के लिए अत्यंत सम्मान है, उन्होंने मेरे और तुम लोगों के लिए अपना ढेर सारा समय निकाला। उन्हें याद होगा उनके लिए शब्द हाउस हसबैंड जैसे शब्दों का प्रयोग किया गया, लेकिन यह कोई कलंक नहीं है; न तो यह अपमानजनक है। एक और शब्द है, जो आजकल तुम अपनी मां के साथ घूमते वक्त सुन सकते हो, %चिंकी%. यह बोलने वाले देश के लिए कलंक हैं और नस्लवादी हैं. मैं जानती हूं मैं एक भारतीय हूं, तुम एक भारतीय के घर में पल-बढ़ रहे हो, और तुम्हें भारतीय होने पर गर्व होगा।

मैंने देश के लिए बहुत किया, इसके लिए लोग मुझे मान देते हैं, हां, सड़क पर चलने वाला हर इंसान मुझे धोनी-विराट की तरह नहीं पहचानता। पर इस लायक भी नहीं हूं कि कोई मुझे चिंकी कहे। अगर इसके बारे में मैं तुमसे बात नहीं कर पाती तो अपने मां होने का फर्ज निभाने में असफल होती है। बलात्कार महज शारीरिक संबंध नहीं है, यह एक बदले की भावना और अपनी शक्ति साबित करने का तरीका बन गया है। मैं जानती हूं आज मैं किसी भी छेड़छाड़ करने वाले को सबक सिखा सकती हूं, लेकिन भावना तुम्हारे भीतर भी आनी चाहिए। आओ हम ऐसा समाज बनाएं जहां लड़कियां हर जगह सुरक्षित रहें और उन्हें किसी तरह का डर न हो।

तुम्हारी
मां

स्मार्ट सिटी कैसे बने: सीखने .....

पेज एक का शेष

दरअसल इस नगर निगम की समस्या धनाभाव नहीं, कुप्रबन्धन, भ्रष्टाचार व हरामखोरी है जिसे राजनेताओं का सम्पूर्ण संरक्षण प्राप्त है। राजनेताओं के इसी संरक्षण के चलते न तो यहां कोई प्रशासनिक तारतम्य है न कोई अनुशासन, ऑडिट तो आज तक इस निगम का हुआ ही नहीं और न ही होने के कोई आसार। इन सारे घोटलों को बढावा देने में पूरा सहयोग करते हुए किसी भी सरकार ने यहां प्रशासनिक स्थायित्व रहने नहीं दिया। महीनों कई बार बरसों तक निगमायुक्त एवं सह-निगमायुक्तों के पदों को खाली रखा जाता रहा है। इन पदों पर जो भी अफ़सर लगते उन्हें जब मर्जी ताश के पत्तों की तरह फ़ेंट दिया जाता है। एक ही वर्ष में चार से पांच तक अफ़सरों के तबादले होते रहते हैं। ऐसे में प्रशासनिक स्थायित्व एवं काम में रूचि हो ही नहीं सकती। निगम कर्मियों द्वारा करोड़ों रुपये के डीजल घोटाले की जांच का नाटक कई बरसों से चल रहा है जो अफ़सर जांच करने बैठता है, तुरन्त तबादला हो जाता है। अब तक चार अधिकारी जांच शुरू कर चुके हैं, फिर भी अधूरी है। इसी से घोटालेबाज़ों को बल मिलता है। कुल मिलाकर स्मार्ट सिटी के नाम पर तरह-तरह की नौटंकियां करने व भीख मांगने की अपेक्षा अपने खुद के घर को संवारने के लिये यहां से हरामखोरी व रिश्वतखोरी को समाप्त करना जरूरी है। इसके बिना निगम की स्थिति उस मटके जैसी है जिसके पेंदे में छेद होता है, जितना मर्जी पानी डालते जाओ वह कभी भर नहीं सकता।

मोहन भागवत ने कसम खाई है कि हिंदुस्तान को मिटा कर रहेंगे

संघ प्रमुख मोहन भगवत निरंकुश ढंग से अपने भारत तोड़ोअभियान में आगे बढ़ रहे हैं। चार दिन पहले वे उत्तराखंड में हिंदू राष्ट्र का राग अलाप रहे थे। कल बोल रहे हैं कि धर्म राष्ट्र का आधार है। इस सच से कौन वाकिफ नहीं है कि धर्म अगर राष्ट्र का आधार बनता है तो एक आतंकी पकिस्तान तैयार होता है जिसमें 65 साल तक कभी कोई चुनी हुई सरकार ही नहीं रही।

मोहन भागवत इस देश की जनता को यूरोप और अमेरिका की तरह आधुनिक नहीं बनने देना चाहते। वे इसे धर्म के आधार पर एक हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं, जिसमें हिंदू तालिबान होंगे, हिंदू आतंकी होंगे, जिसमें हत्यारोपी का तिरंगा लपेट कर सम्मान होगा और उसे शहीद का दर्जा दिया जाएगा। वे ऐसा देश चाहते हैं जहां पर ओसामा बिन लादेन जैसे लोग पैदा हों और वही पूरी कौम के मसीहा हों। जो मॉडल मोहन भागवत लागू करना चाहते हैं वह पिछली सदी में हिटलर के साथ मिट चुका है। पाकिस्तान ने कोशिश की तो नतीजा सामने है।

धर्म के आधार पर राष्ट्र के निर्माण का सपना देखने वाला व्यक्ति इस देश का, देश की जनता का, आजादी के एक सदी के खूनी संघर्ष का, और 70 साल की महान लोकतांत्रिक परंपरा का दुश्मन है।

भारत के साथ जितने देश आजाद हुए थे, लगभग सब टूट गए। मोहन भागवत और संघियों ने मिलकर लोकतांत्रिक भारत के खिलाफ अभियान चला रखा है। सबसे दुखद यह है कि वे सरेआम संविधान, कानून और भारत के मूल विचार के खिलाफ बोलते हैं और अपने विरोधियों को देशद्रोही कहते हैं। असली देशद्रोही तो वे हैं जो भारत के मौजूदा लोकतांत्रिक ढांचे को ही मिटाना चाहते हैं. संघी इस देश के लिए लगातार खतरनाक होते जा रहे हैं।

- कृष्ण कान्त

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें:

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. **आनंद मैगजीन सैंटर केसी रोड, एनएच-5,**
2. **प्रिंट फोर्ट टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड,**
3. **रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन,**
4. **रैंक, 45 नीलम चौक,**
5. **एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे,**
6. **राम खिलावन बल्लभगढ़ बस अड्डा पुलिस चौकी के सामने,**
7. **हितेश ग्रोवर सैक्टर 29 पेट्रोल पम्प के पास ।**
8. **जितेन्द्र, बाटा सैंटर - 9971064207**
9. **स्थानीय अदालतों में : चैम्बर नं. 56-एस.के .जोशी - वकील साहब**